<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
<u>पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)</u>

<u>उन्नत राई-सरसों उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम</u>

पंतनगर। 16 मार्च 2021। विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय राई-सरसों समन्वित शोध परियोजना एवं प्रसार शिक्षा निदेशालय के संयुक्त तत्वाधान में 'उन्नत राई-सरसों उत्पादन' विषय पर प्रशिक्षण केन्द्र एवं कृषक भवन में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों के अधिकारी, रेखीय विभाग के प्रसार अधिकारी तथा कार्यकर्त्ताओं को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण समन्वयक एवं प्राध्यापक, प्रसार शिक्षा, डा. बी.डी. सिंह ने किसानों की आय में वृद्धि करने की तकनीकों को बताया साथ ही उन्होंने प्रशिक्षण की उपयोगिता तथा विशिष्टता पर भी प्रकाश डाला। प्रशिक्षण में कनिष्ठ शोध अधिकारी, डा. उषा पन्त, ने राई-सरसों के प्रमुख प्रजातियों की विशेषताओं के बारे में जानकारी दी। प्राध्यापक, डा. बीरेन्द्र प्रसाद ने राई-सरसों की गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन तकनीक के बारे में बताया। डा. महेन्द्र सिंह नेगी ने राई-सरसों के उच्च उत्पादन हेतु सस्य क्रियाओं पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में डा. हिमांशु पुनेठा ने राई-सरसों में गुणवत्ता सुधार पर अपने विचार प्रस्तुत किये। प्रशिक्षण के दौरान डा. एम.एस. खान ने राई-सरसों में पौध संरक्षण एव एकीकृत प्रबंधन के बारे में विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम के अंत में डा. सिंह ने प्रशिक्षण के आयोजन में सहयोग करने वाले वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों की सराहना करते हुए धन्यवाद प्रस्तुत किया। इस अवसर पर निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. अनिल कुमार शर्मा एवं निदेशक शोध I डा. ए.एस. नैन ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये और कहा कि प्रशिक्षणार्थी कार्यक्रम में अर्जित जानकारी एवं तिलहन उत्पादन तकनीक का व्यापक प्रसार-प्रचार करें, जिससे तिलहन की पैदावार बढ़ाया जा सके और कृषकों की आय में वृद्धि भी हो सके।

प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते वैज्ञानिक।